

Title: Need to take back the decision of the Government to close Andaman Trunk Road in Andaman and Nicobar Islands.

**श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह):** सभापति महोदय, अंडमान में कुल आबादी चार लाख है और इसमें से ढाई लाख आबादी मध्य-उत्तर अंडमान में रहती है। इसकी लाइफ लाइन अंडमान ट्रंक रोड है। श्रीमती इंदिरा गांधी के समय में वर्ष 1970 में यह रास्ता मिलिट्री मूवमेंट करने के लिए बनाया था। जो लोग मिडल नार्थ में बैठे हैं उनकी लाइफ लाइन के लिए बनाया था। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि इसके पश्चात् अब नेशनल एडवाइजरी काउंसिल की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी और कांग्रेस की हुवमशाही ने 2006 में एक कमेटी बनाई। इस कमेटी का नाम रिपोर्ट सब ग्रुप आफ एक्सपर्ट आन दि जरवाज़ था। कमेटी के चेयरमैन श्री जयराम रमेश थे, सईद हमीद थे। रिपोर्ट में पृष्ठ संख्या 10 में कहा गया, जरवा लड़कियां जरवा ट्रेडिशन छोड़कर पुलिस चौकी के बगल में रहती हैं, सैटलर्स के बगल में रहती हैं। रात को पुलिस चौकी में जाती हैं। जरवा लड़की ने नॉन जरवा बच्चा पैदा कर दिया, उनकी परंपरा के मुताबिक नॉन जरवा बच्चे को मार दिया गया। रिपोर्ट में पेश किया गया कि अंडमान ट्रंक रोड बंद कर दो और इसके बदले में पोर्ट ब्लेयर से बाराटंग तक जहाज का रूट बनाओ। इसके पश्चात् प्रशासन और भारत सरकार द्वारा वापकस के माध्यम से एक प्लान तैयार करके कहा गया कि अंडमान ट्रंक रोड बंद करके 170 करोड़ रुपये खर्च करके शिप रूट चलाया जाए। अंडमान निकोबार में सात महीने मानसून रहता है। सभापति महोदय, स्वयं तमिलनाडु के हैं, आप सोच सकते हैं कि समुद्र में क्या हालत होती है, यह शांत नहीं रहता है। श्रीमती सोनिया गांधी जी ने चिदंबरम जी और कांतिलास भूरिया जी को जनवरी महीने में पत्र दिया और लगातार कारेसपांडेस होता रहा कि अंडमान ट्रंक रोड बंद कर दो और समुद्र के पथ से पोर्टब्लेयर बाराटंग रूट चालू करो। यह कार्यवाही चलती रही। अंडमान प्रशासन ने हुवमशाही के डर से, कांग्रेस के डर से, \* जी हजुरी करता रहा। परिणामस्वरूप आज मैं विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। अंडमान प्रशासन 2012-13 की पीएमबी के प्लान बुक में ऑल्टरनेट रूट के लिए फंड व्यवस्था की गई है। मैं सुझाव देना चाहता हूं कि अंडमान ट्रंक रोड बंद न की जाए। इस रूट के बदले पोर्टब्लेयर से उम्बर्लीगंज, उम्बर्लीगंज से सोल बे 19 तक रास्ता बना हुआ है। यहां से क्रीक पार होकर बारडंग के बालूडेश में जाए, यहां से एटीआर में आ जाएगा, जरवा को तकलीफ बिल्कुल नहीं होगी। अंडमान समुद्र पथ से जो रूट बनाया गया है, अंडमान ट्रंक रोड बंद न की जाए। सरकार जो रूट सोच रही है, वह रूट गलत है। मेरा सुझाव है कि पोर्टब्लेयर वाया उम्बर्लीगंज वाया सोल बे, सोल बे क्रीक में बाराटंग के बालूडेश जाकर एटीआर में जुड़ जाए। इससे एटीआर भी रहेगा और अंडमान बच जाएगा। अंडमान में जो तानाशाही और हुवमशाही चला रही है दिल्ली की सरकार \* ये अंडमान और निकोबार के लोग नहीं मानेंगे। अंडमान विद्रोह करेगा। ...*(व्यवधान)*

MR. CHAIRMAN : Do not bring the name of any individual.

*(Interruptions) \*'*

SHRI BISHNU PADA RAY: I have records with me – correspondence with Shrimati Sonia Gandhi, hon. Home Minister, Shri Chidamabaram, hon. Tribal Minister, and other persons. I have all the documents with me. These are all Government documents. So, my humble request is to the administration and to the Government is, don't close Andaman Trunk Road and allow our Islanders to go to Middle and North Andaman on sea route, which is not practical and acceptable.

**20.00 hrs.**

अंडमान ट्रंक रोड को बंद न करते हुए ऑल्टरनेट रास्ता बनायें, उसी रूट से हम जायेंगे। हम अंडमान ट्रंक रोड बंद करके हम समुद्री रास्ते से नहीं चलेंगे। यहीं मांग सरकार से करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं।

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 22nd of December, 2011, at 11 a.m.

**20.01 hrs**

**The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock**

*on Thursday, 22<sup>nd</sup> December, 2011/Pausa 1, 1933 (Saka).*

[\\* Not recorded.](#)

[\\* Not recorded.](#)

[\\* Not recorded.](#)

[\\* Not recorded.](#)

[\\* Not recorded.](#)

[\\* Not recorded.](#)

[\\* Not recorded.](#)

\* Not recorded.

\* Not recorded.